	January 1971	April 1971	Percentage change (April 1971 over) (January 1971
Aluminium utensils	148.4	148 4	No change
Pottery goods	138.4	138.4	No change
Toilet requisites	144.5	144 6	+0.1
Soap	144.7	144 7	No change
Lamps & lanterns	160.5	160 5	No change
Matches	114.1	114.1	No change

नेशनल बुक ट्रस्ट की पुस्तकों में अनुवाद तथा मुद्रण संबंधी गलतियां

631. श्री विभूति मिश्र : क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नेशनल बुक ट्रस्ट ने अनेकों महत्वपूर्ण पुस्तकों का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कराया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या उनके मंत्रालय को इस बात की जानकारी है कि इन अनुदित पुस्तकों में गलतियां है ;

(ग) क्या लियो हुबरमैन की "मैन्ज वर्डली गुड्ज" (मनुष्य की भौतिक सम्पदाएं) नामक पुस्तक में भाषा, पारिभाषिक शब्दावली तथा मुद्रण सम्बन्धी अनेकों गलतियां है ;

(घ) यदि हां, तो इन पुस्तकों के अनुवाद, सम्पादन तथा प्रकाशन के लिये जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गयी ; और

(ङ) ऐसी गलतियों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री डी० पी० यादव) : (क) से (ङ). नेशनल बुक ट्रस्ट ने अनेक प्रमुख अंग्रेजी पुस्तकों का हिन्दी में अनुवाद किया है ।

इन अनुदित संस्करण में गलतियों की भरमार के संबंध में न तो नेशनल बुक ट्रस्ट को और न ही इस मंत्रालय को कोई शिकायत प्राप्त हुई है ।

सरकार को इस बात की जानकारी नहीं है कि लियो हुबरमैन की 'मैन्स वर्डली गुड्स" (मनुष्य की भौतिक सम्पदाएं) नामक पुस्तक के अनुदित संस्करण में, जिसे नेशनल बुक ट्रस्ट ने 1965 में प्रकाशित किया था । अनेक-गलतियां हैं । इसके विपरीत दो सुप्रसिद्ध हिन्दी विद्वानों ने पाडुलिपियों की समीक्षा करते समय बहुत प्रशंसा की है ।

नेशनल बुक ट्रस्ट अनुवाद और प्रकाशन में परिशुद्धता सुनिश्चित करने का बहुत ध्यान रखता है ।

सड़क कर आदि जमा करने में कठिनाई

632. श्री विभूति मिश्र : क्या नौवहन और परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जनपथ नई दिल्ली स्थित दिल्ली प्रशासन के परिवहन अधिकारी के कार्यालय से ड्राइविंग लाइसेंस आदि प्राप्त करने और सड़क कर जमा कराने में जनता को कठिनाई हो रही ; है

(ख) क्या यह भी सच है कि उक्त कार्यालय में कार्य करने वाले कर्मचारियों से मिले हुये अनेक बिचौलिये उस कार्यालय के आसपास घूमते रहते हैं और उनको कुछ अतिरिक्त धन देने से काम बड़ी आसानी से हो जाता है ; और

(ग) यदि हां, तो सरकार का इस बारे में क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

संसदीय कार्य तथा नौवहन और परिवहन मंत्री (श्री राजबहादुर) . (क) कभी कभी व्यक्तियों को सड़क कर जमा करने के लिये जनपथ कार्यालय में पंक्ति प्रतीक्षा करना पड़ती है और यह स्वाभाविक है कि उस हद तक उन्हें असुविधा होती है। तथापि यदि मोटर गाडियो के मालिक दिल्ली मोटर कराधान अधिनियम, 1962 में उल्लिखित विभिन्न माफी अवधि में अत ग गदायगी करने से बचे रहे, और गर सरकारा कार और स्कूटर के मालिक कर जमा करने के राजपत नगर मोरदर्द मार्ग, पूसा मार्ग इत्यादि के अतिरिक्त काउण्टरों से भी लाभ उठाते रहे ।

परिचालन लाइसेंस प्राप्त करने में जनता की हुई असुविधा का कोई मामला दिल्ली प्रशासन की दृष्टि में नही आया है।

(ख) दिल्ली मोटर गाड़ी कराधान कर की धारा 4 के अन्तर्गत मोटर गाडी का मालिक स्वयम् अथवा किसी अधिकर्त्ता (एजेन्ट) के मार्फत कर जमा कर सकता है। अत : यदि कोई मोटर गाडी मालिक किसी बिचौलिया के मार्फत कर भेजता है तो दिल्ली प्रशासन अधिकर्त्ता के विरुद्ध कोई कार्यवाही नही कर सकता है।

(ग) प्रश्न नही उठता है।

छोटी बचत योजनाओं के अधीन जमा राशि

633. **श्री जगन्नाथ राव जोशी** . क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वर्ष 1970-71 के दौरान छोटी बचत योजनाओं के अन्तर्गत 183 50 करोड़ रुपये की बचत हुई जबकि वर्ष 1969-70 के दौरान केवल 127 करोड़ रुपये की बचत हुई थी।

(ख) यदि हा, तो समाज के उन वर्गों का विवरण क्या है जिन्होंने इस योजना के अन्तर्गत अपनी बचत जमा की और उन वर्गों के नाम क्या है जो इसमे सहयोग देने मे असफल रहे , और

(ग) स्थिति में सुधार करने के लिए कदम उठाये गये है ?

वित्त मत्रालय मे उप-मत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी) (क) हालांकि 1970-71 मे अल्पबचत योजना के अन्तर्गत इकट्ठी की गई रकम के अन्तिम आकडे अभी उपलब्ध नही है, फिर भी सबसे हाल की सूचना के अनुसार 1970-71 मे 188 करोड़ रुपये की रकम इकट्ठी हुई है जबकि 1969-70 में 127 करोड़ रुपये की रकम इकट्ठी हुई थी ।

(ख) अल्प बचतो मे इकट्ठी की गयी रकमो के आकड़े विभिन्न बचत पत्रो और जमा की बिक्री और विराशी के अनुसार, योजनावार और राज्यवार उपलब्ध है। समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा अल्प बचतो मे जमा की गयी रकमो के आंकड़ो सम्बन्धी सूचना एकत्रित करना सम्भव नहीं है, इसलिए यह बताना नही सम्भव है कि समाज के किस वर्ग ने इसमे सहयोग नही दिया है।

(ग) यह प्रश्न पैदा नही होता